33. चित्र वर्णन

किसी वस्तु, दृश्य या चित्र को देखकर प्रत्येक मनुष्य के मन में भिन्न-भिन्न भाव जागृत होते हैं। इन भावों को अपनी कल्पनाशक्ति के द्‌वारा अभिव्यक्त करना ही चित्र वर्णन कहलाता है। इससे छात्रों के सृजनात्मक एवं बौद्‌धिक कौशल का विकास होता है।

शिक्षण-संकेत

- शिक्षक/शिक्षिका छात्रों को चित्र वर्णन के विषय में विस्तार से बताएँ।
- छात्रों को चित्र वर्णन की परिभाषा समझाएँ।
- उन्हें विभिन्न प्रकार के चित्र दिखाकर उनसे संबंधित छोटे-छोटे प्रश्न पूछें ताकि पाठ में दिए चित्रों का वर्णन वे आसानी से समझ सकें।
- पाठ पृष्ठ 239-241 पर दिए चित्र वर्णन के उदाहरण पढ़वाएँ।
- यह सुनिश्चित करें कि छात्र भली-भाँति समझ पा रहे हैं।
- संकेत बिंदुओं को पढ़ाकर पाठ अभ्यास कराएँ तथा यथासंभव सहायता करें।